

# माता-पिता एवं शिक्षकों से एक निवेदन...

## बच्चों को इतना अवश्य सिखाना कि

9. जीवन एक संघर्ष है, जब तक जीवन है हमें संघर्ष करना है
2. बुराई से बुराई नहीं मिटती किन्तु और बढ़ती है, जैसे गंदी झाड़ू से जमीन साफ नहीं होती।
3. फैल होना या हार जाना असफलता नहीं है किन्तु सफलता के लिए और अधिक मेहनत की जरूरत है।
4. नम्रता से जीवन उन्नत बनता है, और अहंकार से अवनत।
5. वह सब कुछ बेच दें, मगर स्वाभिमान नहीं।
6. बुराई बहुत देर तक छिपती नहीं, वह कभी न कभी प्रकट होती है।
7. वह कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे अपनी नजरों में गिर जाए, और स्वयं को अपराधी महसूस करे।
8. वह कामुकता (शरीर को छूने/पकड़ने की तीव्र इच्छा/उतावलापन) के विचारों से बचे।
9. अच्छी पुस्तकें ही जीवन की सच्ची साथी हैं।
10. कक्षा में प्रथम आना ही बहुत बड़ी उपलब्धि नहीं है।
11. अगर पढ़ न सको तो कोई बात नहीं, पर सदाचरण मत खोना।
12. प्रतिभा सभी परिस्थितियों का सामना करने से ही निखरती है।
13. वह ब्रह्मचर्य से अधिक से अधिक जीवन गुजारे।
14. प्रतिभाशाली बनाया नहीं जाता किन्तु स्वयं बना जाता है।
15. वह अपने से बड़ों का सदा आदर करे। माता-पिता के उपकारों को न भूले।
16. हर आदमी में कुछ न कुछ कमी अवश्य होती है, उसे हमें स्वीकारना है।
17. वह दूसरों की बुराई करने में अपना समय बर्बाद न करे।
18. वह लगन से, बिना कुछ प्रचार किये अपना कार्य करे।
19. वह कुसंगति से बचे नशीले पदार्थों का सेवन न करे।
20. वह अपने दिमाग को स्वस्थ और दुरुस्त रखने के लिये अन्य भाषा या संगीत को भी सीखे। कुछ नया-नया करते रहें।
21. हमें आखिर में सब कुछ पाकर अथवा सब कुछ खोकर अपने में संतुष्ट होना है। कल्पनाओं की उड़ान में ज्यादा न उड़े।
22. वह कम से कम दिन में एक बार इतना अवश्य महसूस करे कि मैं सर्वशक्तिमान ज्ञानवान आत्मा हूँ। कमजोर, बलहीन नहीं।
23. जिस बात से उसे भय लगे उसकी सत्यता को जानने का प्रयास करें।
24. अपनी वर्षों की मेहनत नष्ट हो जाने पर, क्रोध से उन्मत्त न हो, धैर्य धारण करे। वर्तमान में संतुष्ट रहे।
25. दुश्मनी की उम्र बहुत कम होती है, कभी हम थक जाएँगे तो कभी दुश्मन। सभी से मैत्री भाव बनाए रखे।
26. हमारी ही तरह पशु-पक्षियों में भी जीवन होता है, उनमें भी हमारी तरह संवेदनाएँ हैं।
27. वह मन को इतना प्रशिक्षित करे कि उसे किसी भी विचार से भय उत्पन्न न हो। सत्य का सहारा लें।
28. जो दुःख तुम्हें आज है उससे भी अधिक दुःखी संसार में बहुत से हैं। अपने दुःख को बहुत बड़ा न समझे।
29. हर समस्या का समाधान अवश्य होता है, भगवान ने ताला भी बनाया है तो चाबी भी बनाता है। थोड़ा इंतजार करें।
30. समस्या अपने विचारों से उपजती है, इसलिए अपने विचारों पर नियंत्रण रखें। सकारात्मक सोच रखे।
31. वह परेशानी में भी पाप कार्य न करे। प्रभु नाम मंत्र जपे।
32. उम्र के साथ समस्याएँ भी बढ़ती हैं और अनुभव भी।
33. जिसका अभी हमें संयोग है, उसका वियोग भी निश्चित है।
34. महान वह नहीं जिसके पास कोई समस्या नहीं, किन्तु महान वह है जो समस्याओं से हँस कर सामना करता है।
35. वह सोने से पहले और उठने के बाद कम से कम 90 मिनट परमात्मा/शुद्धात्मा का स्मरण करे।
36. वह अपने में इतना आत्मविश्वास जाग्रत करे कि कोई उसे चाहकर भी मिटा न सके। प्रभु और गुरु पर विश्वास रखे।
37. वह इतना व्यस्त न रहे कि अपने शरीर के बारे में भी सोचने और स्वस्थ रखने के लिए समय न निकाल सके। व्यवस्थित दिनचर्या बनाए।
38. मन की शांति में ही मन की शक्ति निहित है।
39. वह यदि किसी के धोखे का शिकार हुआ है तो उससे शत्रुता का व्यवहार न करे, बल्कि आगे के लिए कोई अपेक्षा न रखे।
40. वह अपने दुश्मन को भी मौका दे ताकि वह उसे माफ कर सके।
41. सुन्दरता शरीर से नहीं अच्छे विचारों से आती है।
42. वह हमेशा अपने चहरे को प्रसन्न रखे। प्रसन्नता सबसे अच्छी औषधि शक्ति वर्धक पेय है।
43. वह जहाँ भी कार्य करे, ईमानदारी और समर्पण से करे।
44. विपरीत लिंग वालों (लड़के-लड़कियों) की मित्रता कभी भी जीवन विकास का कारण नहीं बनती। अतः बेटियाँ, बेटियों को एवं बेटे, बेटों को ही मित्र बनाएँ।
45. गलती करना अथवा होना उतना बुरा नहीं जितना उस गलती को छुपाना अथवा गलत बने रहकर स्वयं को अच्छा साबित करना।
46. आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि भव-भव में दुःख का कारण है। अतः स्वप्न में भी आत्महत्या का विचार मन में न लावें।
47. गलत बातों, गंदी हरकतों के लिए आग्रह होने पर दृढ़ता पूर्वक ना कहे। जैसे शराब, बीड़ी सिगरेट, गांजा आदि नशीली वस्तुओं के सेवन करो तम्बाकू, गुटखा खाओ, मांसाहारी बच्चों से मित्रता के लिए, प्राइवेट पार्ट टच करने पर, अश्लील फिल्म एवं चित्र देखने के लिए, आधे अधूरे वस्त्र पहनने के लिए।
48. जीवन का सुख कुछ प्राप्ति पर आधारित है तो कुछ प्रतीक्षा पर भी।
49. बुरा कहलाना अच्छा है, पर अच्छा कहलाकर बुरा बने रहना तो बहुत ही बुरा है।
50. सम्पन्नता और कृत्रिम जीवनशैली हमारे सुख की अनुभूति को निचोड़ लेती है।



शुभेच्छु

संजय संदीप जैन "चायघर"  
अध्यक्ष, श्री दि.जैन पद्मावती पुरवाल  
महासभा क्षेत्रिय समिति आष्टा  
मो.9893193580

वीरेन्द्र जैन  
शिक्षक  
शा.मा.शा. अलीपुर, आष्टा  
मो. 9893521627

संतोष जैन  
प्रधान अध्यापक  
शा.मा.शा. बुधवारा, आष्टा  
मो. 9981925224

रमेशचन्द्र जैन  
शिक्षक  
शा.उ.मा.वि. कोठरी  
मो. 9893748091

श्रीमति ऊषा कल्याण जैन  
शिक्षक  
शा.क.उ.मा.वि. आष्टा  
मो. 9981782515

निर्मल कुमार जैन  
शिक्षक  
शा.रा.गां.प्रा.शा.मि. 'पठार कोठरी'  
9203200404